४. दिशाएँ और मानचित्र

शिक्षकों के लिए

- इस प्रकरण में दिशाओं और मानचित्र का परिचय करेंगे । दिशाएँ और मानचित्र विद्यार्थियों के लिए अमूर्त स्वरूपवाले होने के कारण विद्यार्थी इसे सही विधि से ही समझें, इस दृष्टि से सावधानी रखें । • उपक्रमों पर जोर देते रहें । • इस प्रकरण में केवल मुख्य दिशाओं पर ही विचार करें । • दिक्‌सूचक यंत्र का प्रत्यक्ष रूप से विद्यार्थियों को उपयोग करने दें । • मानचित्र को दिशा और स्थानीय जगह की दिशा से जोड़कर मानचित्र का वाचन किया जाता है । मानचित्र के विषय में यह बात विद्यार्थियों के ध्यान में लानी चाहिए।

करके देखो

वर्ग में दो कतारें बनाओ । बाद में एक-दूसरे के सामने खड़े हो जाओ । अब अपने सामने खड़े विद्यार्थी को निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर बताओ ।

१. वर्ग का श्यामपट्ट तुम्हारे किस ओर है ? २. वर्ग का मुख्य दरवाजा तुम्हारे किस ओर है ?
३. शिक्षकों की मेज तुम्हारे किस ओर है ?

अपने और सामने वाले विद्यार्थी के उत्तर भिन्न-भिन्न हैं न । ऐसा क्यों ? मान लो कि श्याम पट्ट आपके दाईं ओर है तो यह सामनेवाले विद्यार्थी के बाईं ओर होगा । मान लो कि श्यामपट्ट आपके पीछे की ओर है तो यह सामनेवाले विद्यार्थी के आगे की ओर होगा।

इसी प्रकार वर्ग के मुख्य दरवाजे, शिक्षकों की मेज जैसी वस्तुओं के संबंध में आपके और सामनेवाले विद्यार्थी के उत्तर अलग-अलग होंगे । अत: दाईं ओर, बाईं ओर, आगे तथा पीछे जैसे उत्तरों द्वारा किसी वस्तु का निश्चित स्थान कहाँ है, यह बता पाना संभव नहीं है । यही कारण है कि कोई वस्तु कहाँ अथवा किस ओर है, यह बताने के लिए दिशाओं का उपयोग किया जाता है ।

करके देखो

अब हम दिशाओं का उपयोग करके पहले पूछे गए प्रश्नों के उत्तर फिर से खोजेंगे । अपने शिक्षक की सहायता से वर्ग की दीवारों पर मुख्य दिशाएँ लिखो । अब फिर से एक-दूसरे के सामने खड़े हो जाओ । वर्ग का श्यामपट्ट, मुख्य दरवाजा तथा शिक्षकों की मेज किस दिशा में हैं, यह एक-दूसरे को बताओ । अब तुम्हारे और सामनेवाले विद्यार्थी के उत्तर समान ही होंगे ।

अत: दिशाओं का उपयोग करके यह सही-सही बताया जा सकता है कि कोई वस्तु कहाँ है अथवा किस ओर है ।

• हम दिशाएँ पहचानना सीखें

पूर्व, पश्चिम, उत्तर और दक्षिण चार प्रमुख दिशाएँ हैं । उन्हें कैसे पहचानना है ?

सूर्य जिस दिशा में उगता है, वह पूर्व दिशा । सूर्य जिस दिशा में अस्त होता है, वह पश्चिम दिशा ।

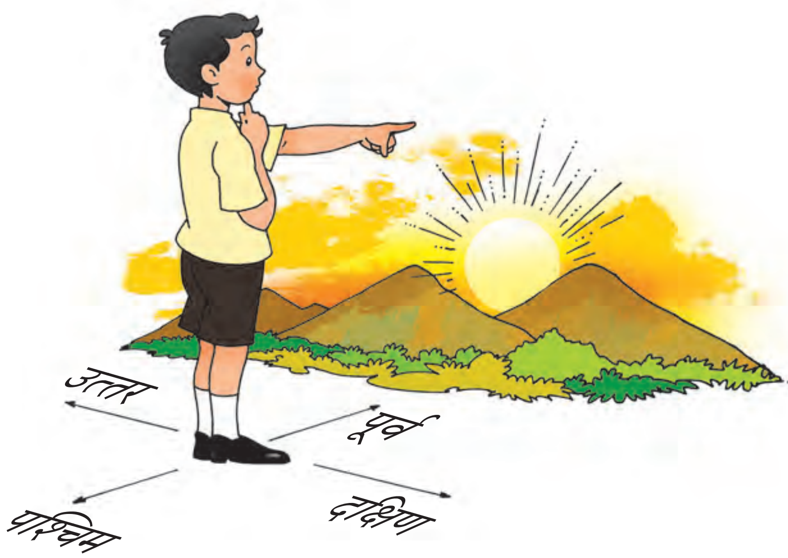

पूर्व तथा पश्चिम दिशाएँ एक-दूसरी के आमने-सामने होती हैं । पूर्व दिशा की ओर मुँह करके खड़े हों तो हमारे पीछे की ओर पश्चिम दिशा होती है । इस स्थिति में अपने बाईं ओर उत्तर दिशा आती है, जबकि दाईं ओर दक्षिण दिशा होती है ।

अपने परिसर में सूर्योदय के समय यह कृति करके देखो और दिशाओं को समझो ।

चौखट का मनोरंजन...

नीचे एक बड़ी चौखट दी गई है । उस चौखट के बीचोंबीच तुम्हारा घर दिखाया गया है । इस चौखट के चारों ओर पीले पट्टे दिए गए हैं । इन पट्टों में दिशाएँ लिखनी हैं ।

तुम्हारे घर के किस ओर सूर्य का उदय होता है ? वह पूर्व दिशा है ।

घर के जिस ओर सूर्य का उदय होता है, उस ओरवाले पीले पट्टे में 'पूर्व' दिशा लिखो । अब पूर्व दिशा के सामनेवाले पट्टे में 'पश्चिम' दिशा लिखो ।

बचे हुए अन्य दो खाली पट्टों में उत्तर तथा दक्षिण दिशाएँ आएँगी । विचार करके उन्हें लिखो।

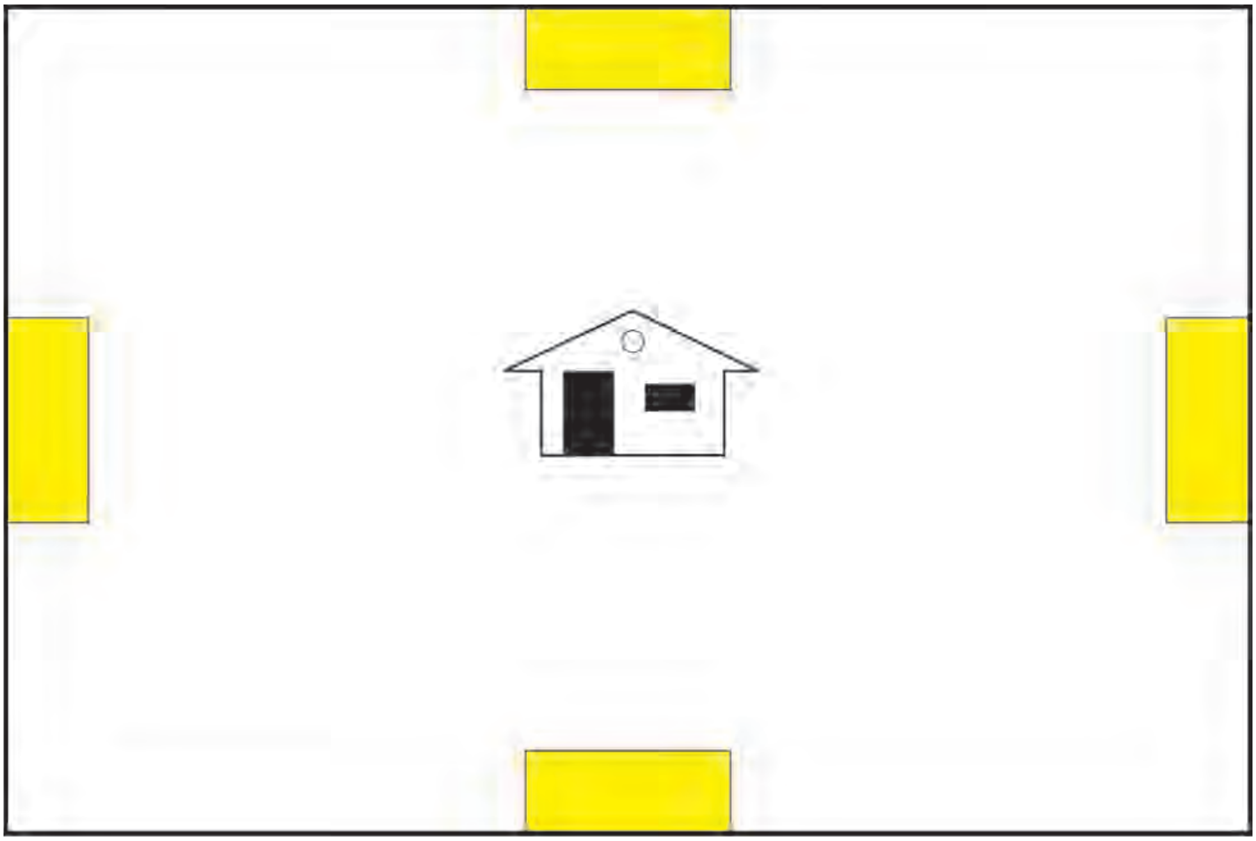

तुम्हारे घर के पास स्थित कुछ अन्य स्थान नीचे दिए गए हैं । चौखट में उन स्थानों को भरो :

(१) तुम्हारे पड़ोस के घर

(२) तुम्हारे घर के पास की दुकान

(३) वृक्ष

(४) पासवाली सड़क

(५) पासवाला बस स्थानक

अच्छा, अब देखो ! तुम्हारे घर के आस-पास का परिसर कैसा दीखता है !

शिक्षकों के लिए

- विद्यार्थियों द्वारा चौखट में सड़क दिखाते समय यह अपेक्षा है कि वह परिसर में उसकी स्थिति के अनुसार ही दिखाई जाए । कुछ विद्यार्थी केवल सड़क का संकेत दिखाएँगे । आवश्यकता हो तो उनका मार्गदर्शन करें ।
- यह जाँचकर देखें कि विद्यार्थियों द्वारा भरी गई चौखट परिसर की दिशा के अनुसार ही है । आवश्यकता होने पर इस संबंध में उनकी सहायता करें ।

क्या तुम जानते हो

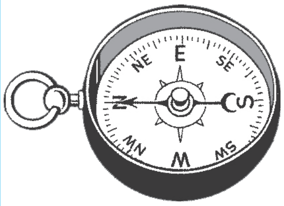

१. प्रतिदिन सूर्य उगता है और अस्त होता है । इसलिए दिशाएँ निर्धारित करने के लिए मनुष्य ने सूर्य का उपयोग किया है ।

२. दिक्सूचक यंत्र की चुंबकीय सूई सदैव उत्तर-दक्षिण दिशा दर्शाती है । तुम अपने शिक्षक अथवा अभिभावकों की सहायता से इसे देख सकते हो ।

अब क्या करना चाहिए

सई और अभय दोनों को विद्यालय में निम्नलिखित समस्या हल करने के लिए कहा गया है । क्या तुम उनकी सहायता कर सकते हो ? नीचे दी गई शब्द पहेली हल करो ।

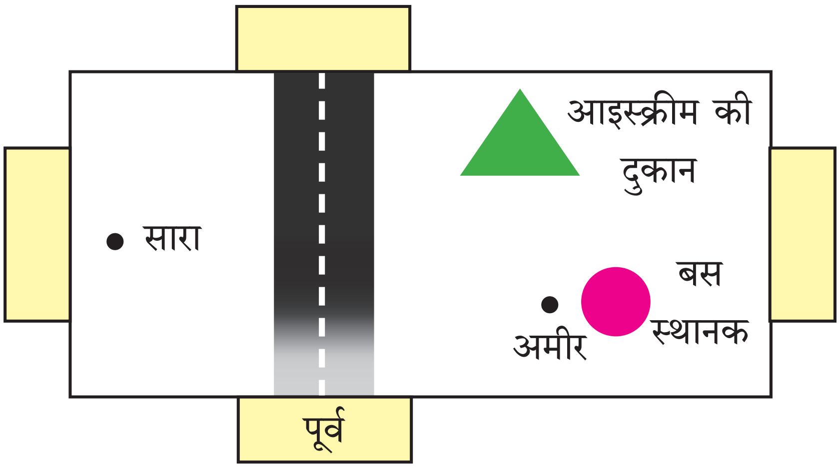

अ) इस चित्र में पूर्व दिशा दी गई है । उस आधार पर पीली चौखटों में अन्य दिशाएँ लिखो ।

आ) आइस्क्रीम की दुकान से बस स्थानक की ओर जाने के लिए किस दिशा में जाना पड़ेगा ?

इ) अमीर को आइस्क्रीम की दुकान जाना है । इसके लिए उसे किस दिशा में जाना पड़ेगा ?

ई) सारा को बस स्थानक की ओर जाना है । उसे किस दिशा में जाना पड़ेगा ?

आओ, खेलें

अपने गाँव की पूर्व दिशा पहचानो । किस दिशा में क्या-क्या है, उसे समझो । उसके बाद वृत्त में निरंतर चलते रहो । अब गुट नायक द्वारा बताई गई दिशा की ओर तुरंत मुँह घुमाकर खड़े हो जाओ । चूका तो वह बाहर ।

• मानचित्र में दिशाओं का उपयोग

मानचित्र में दिशाएँ दी हुई होती हैं । उसके लिए मानचित्र में दिशाचक्र दिया जाता है । उसी के द्वारा मानचित्र की दिशाएँ समझते हैं । मानचित्र का वाचन करने से पहले उसकी दिशाओं को अपने परिसर की दिशाओं के साथ मिलाना है । उदा. मानचित्र की पूर्व दिशा को परिसर की पूर्व दिशा के

साथ जोड़ना पड़ता है। ऐसा करने से मानचित्र के स्थान निश्चित रूप में किस दिशा में हैं, यह तुम्हें तुरंत ज्ञात हो जाता है । पाठ्यपुस्तक में दिए गए मानचित्रों के वाचन में भी इसी विधि का उपयोग करो ।

थोड़ा सोचो

१. उदित होने वाले सूर्य की ओर मुँह करके खड़े हो जाओ । अब तुम्हारा दायाँ कान किस दिशा की ओर होगा ? बायाँ कान किस दिशा में होगा ?

२. सूर्य के अस्त होते समय तुम्हारी परछाईं किस दिशा में बनती है ?

• जिला, राज्य और देश

'भारत मेरा देश है ।' प्रतिज्ञा का यह कथन हम पहली कक्षा से ही पढ़ते आ रहे हैं । दूसरी कक्षा में तुमने राज्य, राष्ट्र तथा संसार जैसे शब्दों का वाचन किया है । इस पाठ्यपुस्तक में भी कई स्थानों पर पृथ्वी, संसार, देश, राज्य, जिला, तहसील तथा गाँव जैसे शब्द आए हैं । आओ ! अब हम जिला, राज्य, देश, पृथ्वी तथा संसार जैसे शब्दों का सामान्य परिचय प्राप्त करें ।

हम घर में रहते हैं । हमारे घर प्राय: जमीन पर बनाए जाते हैं । यह जमीन अधिक दूर तक फैली हुई है । बड़े आकारवाले जमीन के ऐसे टुकड़े को **महाद्वीप** कहते हैं । महाद्वीप की भाँति पृथ्वी पर नमकीन पानी भी फैला हुआ है । इस भाग को **महासागर** कहते हैं । पृथ्वी को हम **संसार** भी कहते हैं। पृथ्वी के जमीनी भाग पर अनेक देश हैं । ये देश अनेक राज्यों से मिलकर बने हैं । हम **महाराष्ट्र राज्य** में रहते हैं । ऐसे कई राज्यों को मिलाकर हमारा **भारत देश** निर्मित हुआ है । हमारा जिला, महाराष्ट्र राज्य, भारत देश तथा संसार के मानचित्र साथ में दिए गए हैं । इन मानचित्रों से संबंधित उपक्रम पूर्ण करो ।

क्या तुम जानते हो

मानचित्र की सूची : मानचित्र में दी जाने वाली जानकारियाँ चिह्नों, चित्रों, संकेतों, रंगों की छटाओं की सहायता से दिखाई जाती है । मानचित्र में उनकी नामावली दी जाती है । उसे **सूची** कहते हैं । सूची द्वारा हमें मानचित्र समझने में सहायता मिलती है ।

इसे सदैव ध्यान में रखो

दिशा निर्धारण के लिए हमें उदित होने वाले सूर्य का उपयोग हुआ है । प्रकृति के अनेक घटकों से हमें इसी प्रकार सहायता प्राप्त होती है ।

मानचित्र से मित्रता

हमारे गाँव के समान ही अनेक गाँव, बस्तियाँ और नगर का क्षेत्र मिलाकर तहसील का निर्माण होता है । अनेक तहसीलों को मिलाकर जिला बनता है । नीचे हमारे जिले का मानचित्र दिया गया है । इस मानचित्र में तहसीलों और उनके मुख्यालयों को दर्शाया गया है । मानचित्र में सूची दी गई है । इस सूची से हमें मानचित्र समझने में सहायता प्राप्त होगी । सूची और दिशाओं की सहायता से मानचित्र समझो । उसके आधार पर दी गईं कृतियाँ करो ।

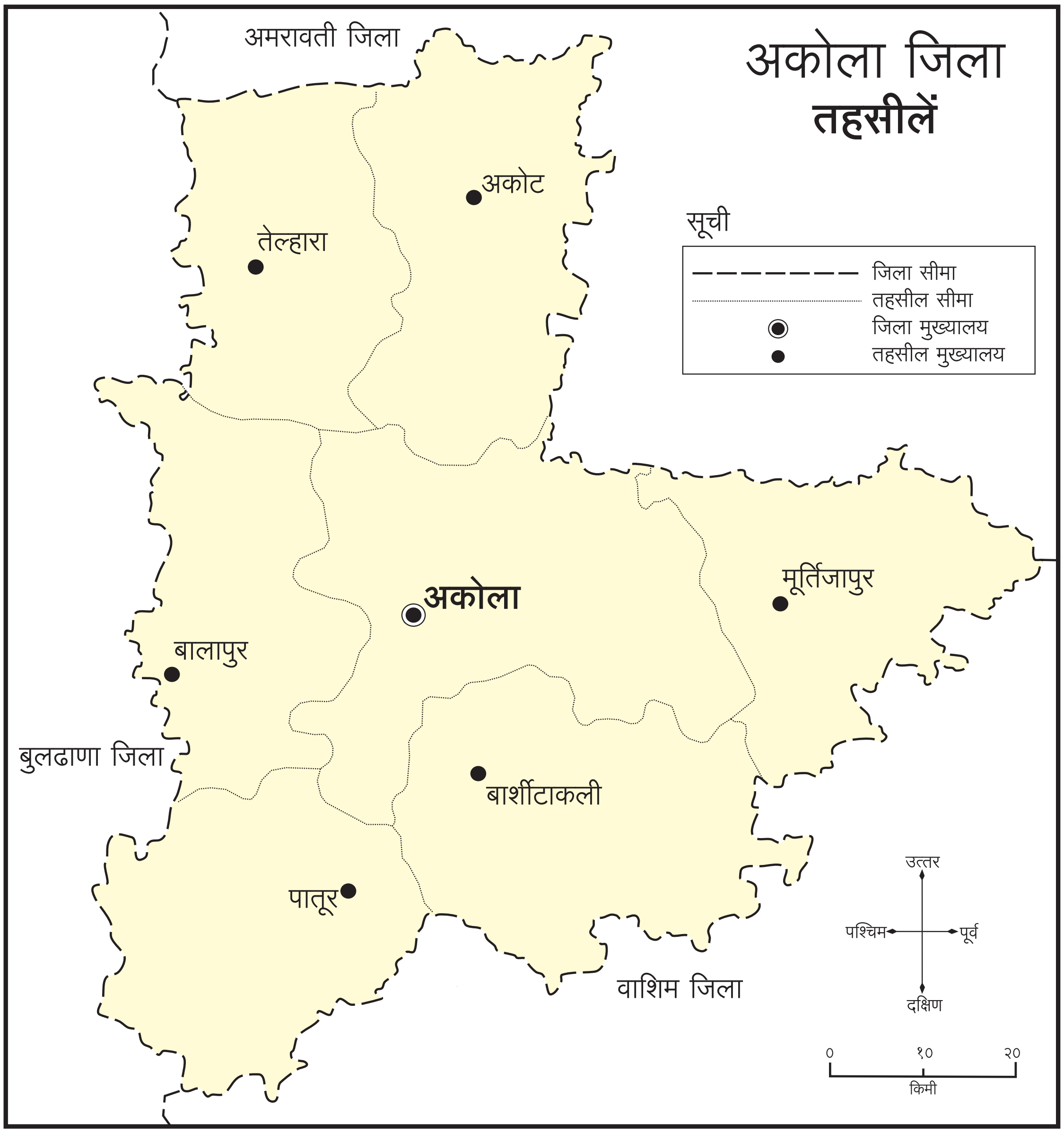

१. अपने गाँव का नाम अपनी तहसील में लिखो ।

२. अपने जिले के मुख्यालय के नाम के चारों ओर ◯ बनाओ ।

३. अपनी तहसील की सीमा से सटी तहसीलों के नामों के चारों ओर चौखट बनाओ ।

४. अपने जिले के पड़ोसी जिलों के नाम चौखट में लिखो ।

५. वाशिम और बुलढाणा जिलों की सीमा से सटे अपने जिले की तहसील को अलग रंग से रँगो ।

मानचित्र से मित्रता

- नीचे महाराष्ट्र राज्य का मानचित्र दिया गया है ।
- उसमें अलग-अलग जिले दिखाए गए हैं ।
- इस मानचित्र में राज्य की राजधानी मुंबई और उपराजधानी नागपुर भी दिखाई गई हैं ।

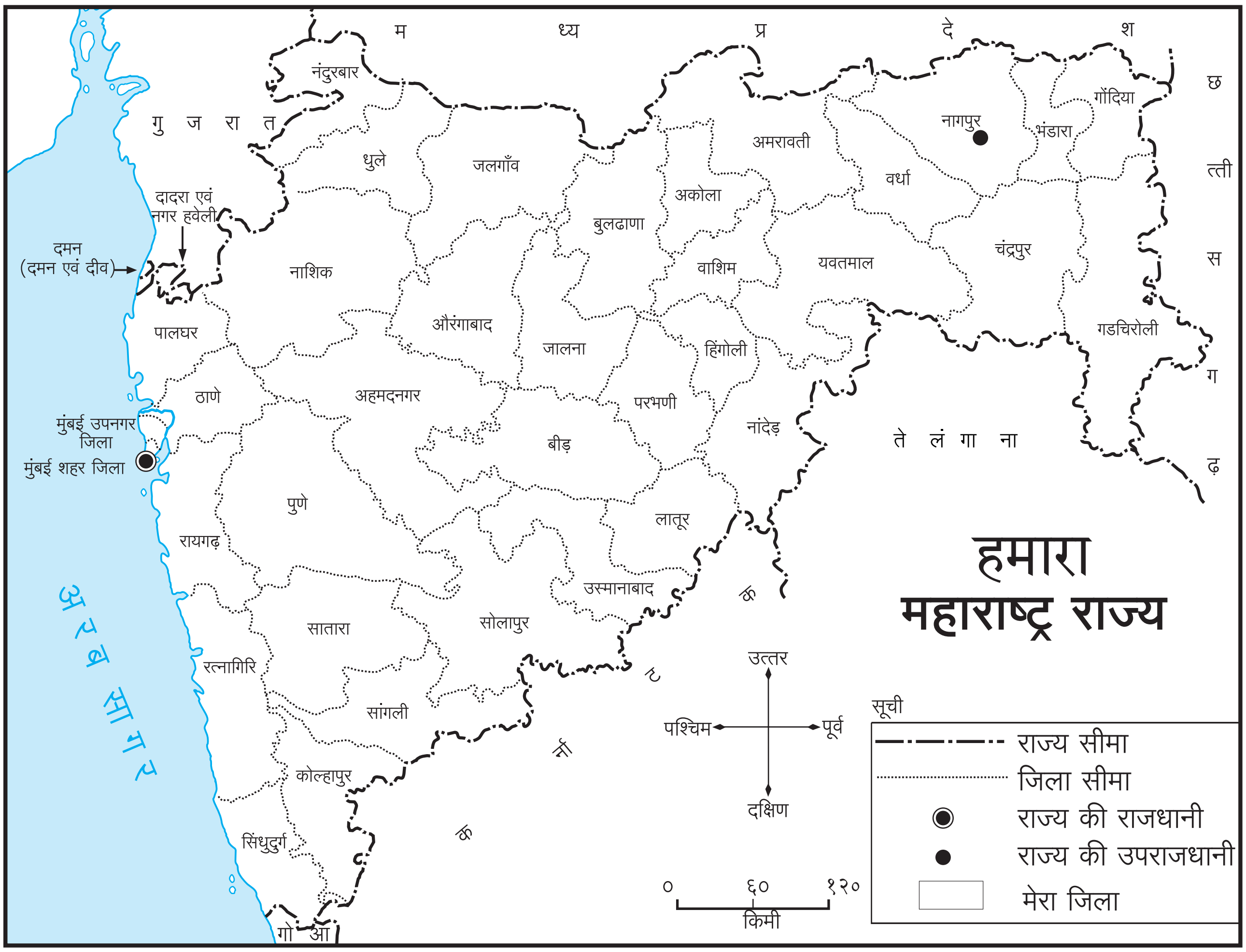

- मानचित्र में अपना जिला ढूँढ़ो और उसे रँगो ।
- सूची में अपने जिले को चौखट का चिह्न दिया गया है । उसे भी उसी रंग से रँगो । तुम अपने जिले का नाम सूची में 'मेरा जिला' के आगे लिखो ।
- अपने जिले के पड़ोसी जिलों के नाम नीचे दी गई चौखट में लिखो ।

मानचित्र से मित्रता

- नीचे हमारे देश का मानचित्र दिया गया है ।
- उसमें हमारे देश की राजधानी **नई दिल्ली** भी दिखाई गई है ।

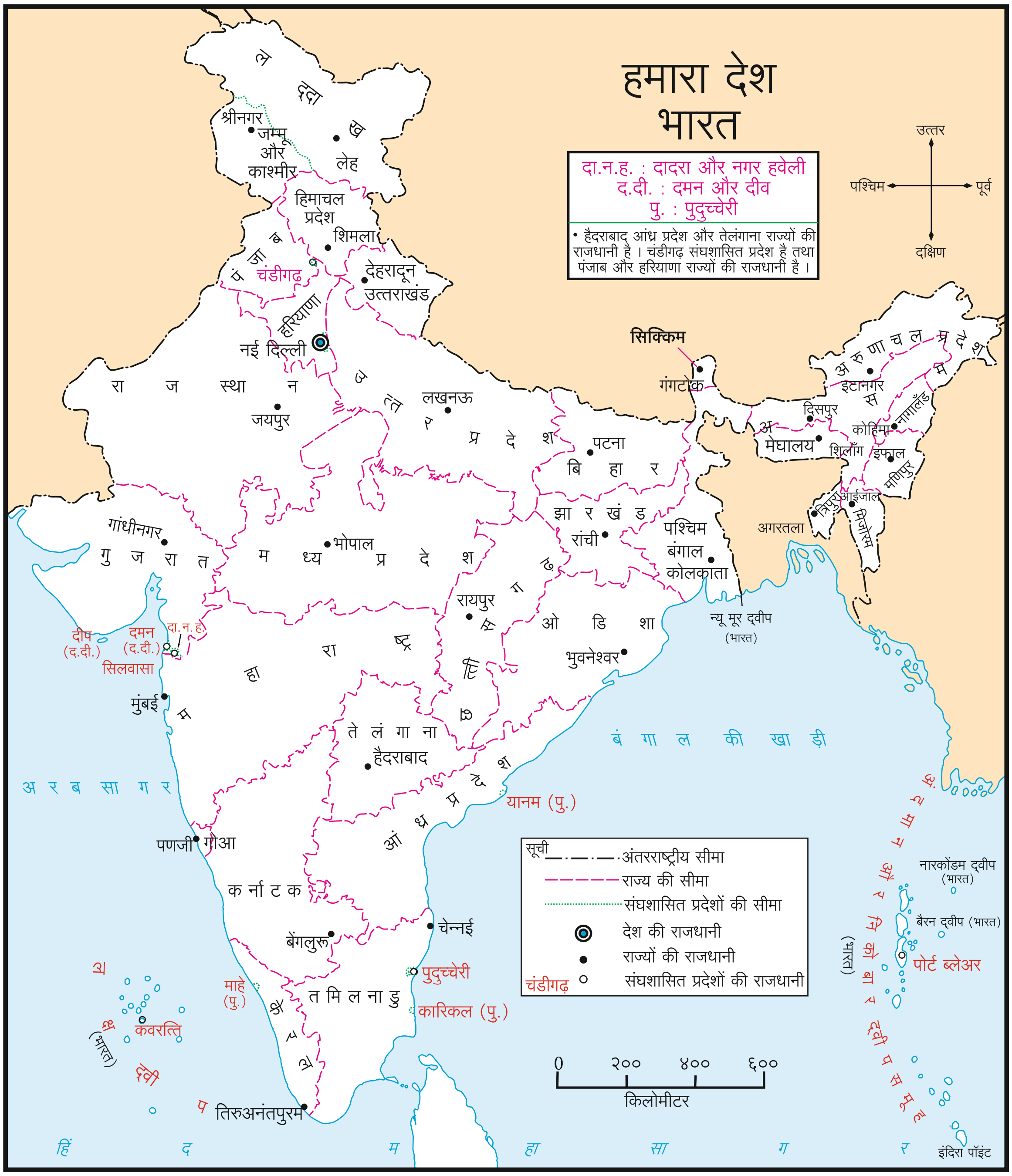

- हमारे देश के मानचित्र में अपना महाराष्ट्र राज्य ढूँढ़ो और उसे रँगो ।

मानचित्र से मित्रता

- नीचे संसार का मानचित्र दिया गया है ।
- उसमें भूभाग को श्वेत रंग में दिखाया गया है । जल (महासागर) को नीले रंग में दिखाया गया है ।
- पूरे संसार का भूभाग तथा जलीय भाग एक साथ दिखाई दें, इसलिए यह विशेष मानचित्र बनाया गया है ।

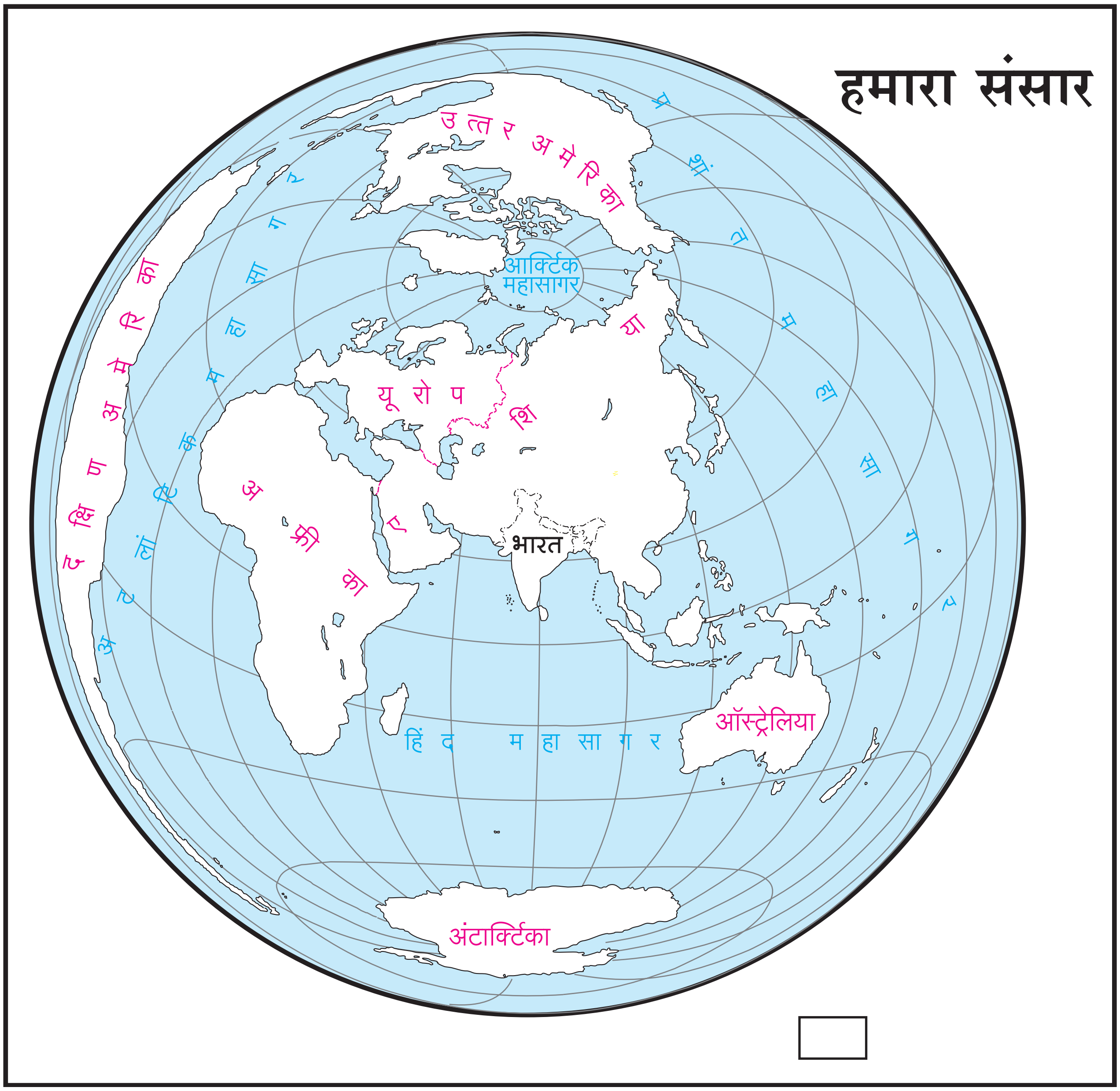

- संसार के मानचित्र में लिखे हुए 'भारत' शब्द का भाग रँगो ।
- मानचित्र के बाहर चौखट में वैसा ही रंग भरकर आगे '**भारत**' लिखो ।

'यह हमारा देश है ।'

हमने क्या सीखा

- ✻ मुख्य दिशाओं का परिचय (जानकारी) ।
- ✻ मानचित्र के दिशाचक्र का उपयोग ।
- ✻ मानचित्र के आधार पर जिला, राज्य तथा देश का परिचय ।

स्वाध्याय

१. नीचे पूर्व दिशा दर्शाने वाली चौखट दी गई है । बची हुईं चौखटों में अन्य दिशाएँ लिखो :

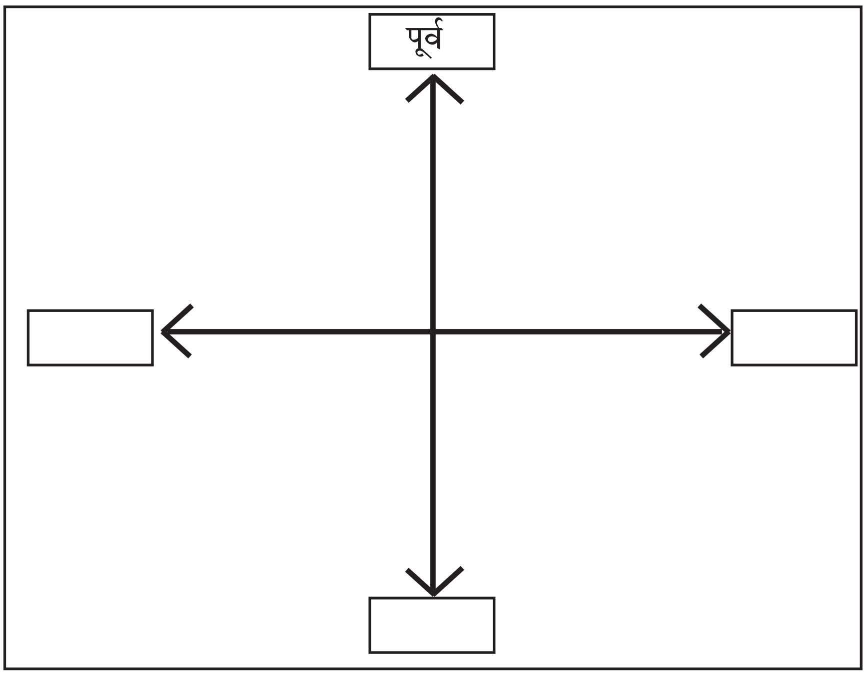

२. पूर्व दिशा निर्धारित करने में किसका उपयोग किया जाता है ?
३. उत्तर दिशा के सामनेवाली दिशा कौन-सी है ?
४. चुंबकीय सूई (कुतुबनुमा) कौन-सी दिशाएँ दर्शाती हैं ?

Q8V751

कृति : अपने परिसर की दिशाएँ पहचानो । अब तुम्हारी पाठ्यपुस्तक में दिए गए जिले के मानचित्र का पृष्ठ क्रमांक २५ निकालो । मानचित्र में दिए गए दिशाचक्र की सहायता से **अपने परिसर की दिशाओं के साथ** इस मानचित्र का मिलान करो ।

✻✻✻